खंड–2

उपखंड–4

प्राचीन भारत में धर्म एवं दर्शन

(Religion and Philosophy in Ancient India)

By Manikant Singh

1. रामानुज के विशिष्टाद्वैत चिंतन का सार निम्नलिखित में क्या है?

(a) ब्रह्म एवं जीव दोनों एक हैं।

(b) दोनों एक होते हुए भी पृथक् हैं।

(c) दोनों एक-दूसरे से पृथक् हैं।

(d) ब्रह्म अगर सत्य है तो जगत मिथ्या।

2. शंकराचार्य एवं रामानुज के विषय में क्या सत्य है?

1. दोनों ब्रह्म को जीव से श्रेष्ठ मानते थे।
2. शंकर ज्ञान के महत्त्व पर अधिक बल देते तो रामानुज ज्ञान को अस्वीकार कर भक्ति की बात करते थे।
3. दोनों मोक्ष की बात करते थे।

कूट:

(a) केवल 1
(b) केवल 3
(c) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

3. उपनिषद् के अद्वैत तथा शंकराचार्य के अद्वैत में क्या समानता है?

1. दोनों आत्मा की अमरता की बात करते हैं।
2. दोनों जीव की मुक्ति के लिये ज्ञान को महत्त्व देते हैं।
3. दोनों संसार को त्याग करने की बात करते हैं।

कूट:

(a) केवल 1
(b) 1 और 2
(c) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

4. निम्नलिखित में से कौन हिन्दू धर्म का/के लक्षण है/हैं?

1. अद्वैत चिंतन
2. तंत्रवाद
3. यज्ञ
4. भक्ति

कूट:

(a) केवल 4
(b) 1 और 4
(c) 1, 3 और 4
(d) 1 और 2

5. निम्नलिखित में से कौन सा/से कारक बौद्ध पंथ के पतन के लिए उत्तरदायी था/थे-

1. बौद्ध पंथ के स्वरूप में बदलाव
2. हूणों का आक्रमण
3. बौद्ध पंथ के द्वारा वेदों की अस्वीकृति
4. शंकराचार्य के अंतर्गत धर्मसुधार

कूट:

(a) 1, 2 और 4 (b) 1, 2 और 3

(c) 1, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

मुख्य परीक्षा

प्रश्नः धार्मिक सद्भाव प्राचीन कालीन भारतीय संस्कृति के मूल भाव में निहित है। परीक्षण कीजिये।

150 शब्द